2 एक दिन मैं भी जीतूँगा

(शिक्षाप्रद कहानी)

Vocabulary समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE
शब्द-ज्ञान

1. पाठ के आधार पर दिए गए वाक्यों की पूर्ति मुहावरों द्वारा कीजिए–

(क) जहूर के कसरती शरीर के आगे ..... चली।

(ख) एक-एक को ..... कहना।

(ग) इस बार तुम लोगों ..... को दी तो मेरा नाम जहूर नहीं।

(घ) अब्दुल के साथी ..... समा रहे थे।

(ङ) तुम लोग अपने आपको बहुत बड़ा ..... हो।

2. दिए गए योजक शब्दों को पूरा कीजिए–

(क) छल - .....

(ख) खुरपी- .....

(ग) बड़े- .....

(घ) काम- .....

(ड़) जानते- .....

Grammar समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE
व्याकरण

1. दिए गए कारक-चिह्नों को क्रमानुसार लिखिए व उनके नाम भी लिखिए।

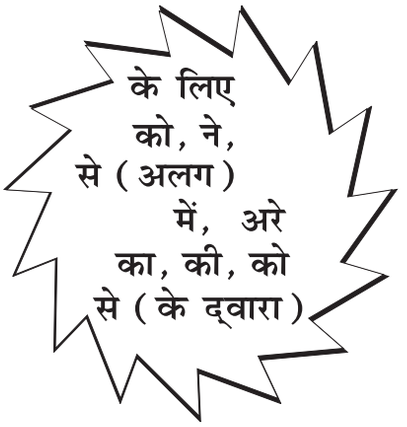

कारक-चिह्न	कारक का नाम
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

2. पाठ में आए द्वंद्व समास के समस्त-पद छाँटकर लिखिए व उनका विग्रह भी कीजिए।

समस्तपद	समास-विग्रह
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

3. दिए गए वाक्यों में उपयुक्त स्थान पर विराम-चिह्नों का प्रयोग करके पुनः लिखिए–

(क) तो हो जाए शर्त एक मसखरे लड़के ने कहा .....

(ख) नहीं भैया अब्दुल शांत स्वर में बोला .....

(ग) शर्त हारने जीतने का सवाल जो था .....

(घ) ठीक है परसों दोपहर बाद इसी मैदान में खेल होगा .....

Writing Tasks समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE
लेखन-कार्य

1. कब और क्यों कहा? लिखिए–

(क) "देख अब्दुल, तू मुझसे छोटा है।

कब – .....

क्यों – .....

(ख) इस बार तुझे हारना ही होगा। जीत मेरी ही होगी।

कब – .....

क्यों – .....

2. अति लघु उत्तर लिखिए–

(क) 'कबड्डी' के खेल में खिलाड़ी क्या बोलता हुआ पाले में जाता है?

.....

(ख) जीतने पर भी अब्दुल उदास क्यों था?

.....

3. लघु उत्तर लिखिए–

(क) बिरजू का जहूर के पाले में घुसने पर क्या हुआ?

.....

.....

.....

(ख) इस बार **तुम लोगों को धूल न चटा दी** तो मेरा नाम जहूर नहीं। इस से जहूर का क्या तात्पर्य था?

.....

.....

.....

Writing Tasks फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE
लेखन-कार्य

1. सच्ची खेल-भावना का परिचय किसने दिया? विस्तारपूर्वक लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

2. कबड्डी का खेल देखने वाले ग्रामीण दर्शकों के मनोभावों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Comprehension Passage

लेखांश-बोध फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान हमारा परिवार कठिनाइयों के बीच से गुज़र रहा था। मैं उस समय दस साल का था और युद्ध रामेश्वरम में हमारे दरवाज़े तक प्रायः पहुँच चुका था। सभी वस्तुओं की किल्लत हो गई थी। हमारा परिवार एक विशाल संयुक्त परिवार था, जिसमें सभी परिवारजन एक साथ रहते थे। इस विशाल कुनबे को मेरी दादी और माँ मिलकर सँभालती थीं। खुशी और ग़म का आना-जाना लगा रहता था। मैं अपने शिक्षक श्री स्वामीअय्यर के पास गणित पढ़ने जाने के लिए प्रातः चार बजे जाग जाता था। वे एक अद्वितीय गणित-शिक्षक थे। वे निःशुल्क ट्यूशन पढ़ाते थे और एक साल में पाँच ही बच्चों को पढ़ाते थे। अपने सभी छात्रों पर उन्होंने एक कठोर शर्त लगा रखी थी। शर्त यह थी कि सभी छात्र स्नान करके सुबह पाँच बजे उनकी कक्षा में उपस्थित हो जाएँ। मेरी माँ मुझसे पहले जाग जाती थी। वह मुझे नहलाती और ट्यूशन के लिए तैयार करती। मैं सात बजे घर वापस लौटता। उस समय नमाज़ अदा करते तथा अरबी स्कूल में कुरान शरीफ सीखने के लिए मुझे ले जाने के लिए मेरे पिता मेरी प्रतीक्षा कर रहे होते।

–कलाम अदम्य साहस से

1. उचित समान अर्थ पर सही (✓) का निशान लगाइए–

प्रातः –	सुबह	◯	सायं	◯
परिवार –	लोग	◯	कुटुंब	◯

2. विलोम शब्द लिखिए–

उपस्थित – .... विशाल – ....

3. लिंग बदलिए–

शिक्षक – .... पिता – ....

4. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) विशाल कुनबे को कौन चलाता था?

....

....

(ख) श्री स्वामी की ट्यूशन के क्या नियम थे?

....

....